घटना

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, जेल प्रबंधन ने किया खंडन, मामले की मैजिस्ट्रियल जांच शुरू

जिला जेल के कैदी की उपचार के दौरान मौत

मंडला, नवभारत। मंडला जिला जेल में निरुद्ध एक कैदी की उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतक बंदी की पहचान आनंद चक्रवर्ती (48 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सिवनी जिले के केवलारी थाना क्षेत्र के ग्राम साठई का निवासी था।

बताया गया है कि वह भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में 11 महीने की सजा काट रहा था। उसे 21 जुलाई 2025 से मंडला जेल में रखा गया था और आगामी 19 जून को उसकी रिहाई होनी थी। इस घटना के बाद जेल प्रशासन और परिजनों के बीच आरोपों-प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया है।

मृतक कैदी की दूसरी पत्नी रचना चक्रवर्ती और बहनोई मदन चक्रवर्ती ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों का दावा है कि आनंद पिछले 4-5 दिनों से लगातार बीमार चल रहा था, लेकिन जेल के भीतर उसे समय पर उचित उपचार मुहैया नहीं कराया गया, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे उच्च केंद्र के लिए रेफर कर दिया था, उसके बावजूद उसे समय रहते मेडिकल कॉलेज नहीं ले जाया गया।

जेल अधीक्षक ने पुरानी बीमारी का दिया हवाला

दूसरी ओर, जिला जेल अधीक्षक संजय सलहाम ने परिजनों द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। जेल अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि बंदी आनंद चक्रवर्ती पहले से ही गंभीर हृदय रोग (हार्ट पेशेंट) से पीड़ित था और उसका इलाज लगातार चल रहा था।

उन्होंने कैदी के पूर्व उपचार का ब्योरा देते हुए बताया कि नवंबर 2025 में उसकी तबीयत खराब होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जेल में स्थानांतरित किया गया था। वहां लंबे समय तक चले उपचार के बाद वह 5 अप्रैल को वापस मंडला जिला जेल लौटा था। इसके बाद भी स्वास्थ्य की निगरानी रखते हुए बीते 11 मई को उसे पुनः रूटीन जांच और उपचार के लिए जबलपुर भेजा गया था।

जेल अधीक्षक ने बताया कि शनिवार शाम को अचानक आनंद की तबीयत अधिक बिगड़ने पर उसे तत्काल जिला अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक परीक्षण के बाद उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया। जेल प्रबंधन द्वारा जबलपुर ले जाने के लिए एम्बुलेंस और सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था की जा रही थी, लेकिन इसी दौरान उसने दम तोड़ दिया। जेल में निरुद्ध बंदी की मृत्यु हो जाने के कारण नियमानुसार मामले की मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन और जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि मजिस्ट्रियल जांच की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही कैदी की मौत के सही कारणों, समय और अन्य संबंधित तथ्यों का पूरी तरह से खुलासा हो सकेगा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से छात्रों ने बांधा समां

नारायणगंज में एमएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के छात्रों को दी विदाई

मंडला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला मंडला के अंतर्गत विकासखंड नारायणगंज में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के एमएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों और संस्था के सदस्यों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ की गई।

विदाई समारोह के दौरान जूनियर छात्र-छात्राओं और विदा हो रहे बैच के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार की मनोरंजक और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में छात्रों ने मनमोहक डांस, ज्ञानवर्धक पहेलियां, सुरीले गीत और शानदार एक्टिंग का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह की खूब तालियां बटोरीं। इन प्रस्तुतियों ने समारोह के माहौल को बेहद खुशनुमा और यादगार बना दिया।

इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झरिया के साथ ही परिषद के समस्त परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, इंद्रा उइके, सुमित हथाले एवं सुरेश सोनी ने छात्र-छात्राओं को भविष्य में समाज सेवा और विकास कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी। कार्यक्रम में सीएमसीएलडीपी कोर्स के समस्त छात्र-छात्राएं और स्थानीय जन उपस्थित रहे।

कपिल वर्मा को मिली मानद उपाधि

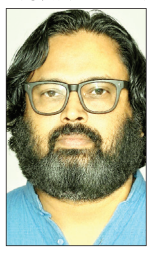

मंडला। पत्रकारिता, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने वाले मंडला के वरिष्ठ पत्रकार कपिल वर्मा को एक बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। उनके योगदान को रेखांकित करते हुए ऋषि वैदिक विश्वविद्यालय, फतेहाबाद-आगरा द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित विद्यावाचस्पति (डॉक्टरेट) सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया है। इस उपाधि के बाद अब वे डॉ. कपिल वर्मा के नाम से विभूषित हो गए हैं। विश्वविद्यालय की प्रबंध कार्यकारिणी की अनुशंसा पर 1 जून को इस उपाधि की घोषणा की गई। इस गौरवमयी उपलब्धि पर जिले के गणमान्य नागरिकों और मित्रों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

नर्मदा में स्नान करने आया सिवनी का श्रद्धालु डूबा, मौत

नहाते समय गहरे पानी में समाया युवक, कोतवाली पुलिस जांच में जुटी

मंडला। जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मां नर्मदा नदी में स्नान करने आए एक श्रद्धालु की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान सुरेंद्र सिंह मर्सकोले के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पड़ोसी जिले सिवनी का निवासी था। इस दुखद हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

जानकारी अनुसार सुरेंद्र सिंह सिवनी से मंडला पावन नगरी मां नर्मदा के दर्शन और पवित्र स्नान के लिए आया था। नर्मदा घाट पर नहाने के दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया या वह गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाया और धीरे-धीरे गहरे पानी में चला गया। तेज बहाव और अत्यधिक गहराई होने के कारण वह खुद को संभाल नहीं सका और पानी में डूब गया। घाट पर मौजूद अन्य लोगों जब तक कुछ समझ पाते, युवक आंखों से ओझल हो चुका था।

हादसे की खबर लगते ही घाट पर भारी भीड़ जमा हो गई और तत्काल इसकी सूचना स्थानीय कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक के शव को पानी से बाहर निकाला और अपने कब्जे में लिया।

पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय मंडला भेज दिया गया है। कोतवाली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और हादसे के विस्तृत कारणों की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही सिवनी में रह रहे मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

श्रीमद् भागवत महापुराण में गूंजा भक्ति, ज्ञान का संदेश

सुबह हुआ रुद्राभिषेक, राजीव कॉलोनी झंडा चौक में उमड़े श्रद्धालु, प्रतिदिन होगा भगवान शिव का अभिषेक

मंडला। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत देवदरा अंतर्गत झंडा चौक, राजीव कॉलोनी में इन दिनों पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। स्थानीय धर्मप्रेमियों और सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की महिला मंडल के विशेष सहयोग से यहाँ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हो गया है। इस पावन कथा के पुराण वाचक देवगाँव वाले सुप्रसिद्ध पंडित कुलदीप महाराज हैं, जिनके मुखारविंद से क्षेत्रवासियों को भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य और अलौकिक लीलाओं का वर्णन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी 7 जून तक निरंतर जारी रहेगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन पुराण वाचक पंडित कुलदीप महाराज ने व्यासपीठ से उपस्थित श्रोताओं को भागवत महापुराण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने मानव जीवन में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की उपयोगिता का विस्तार से वर्णन किया। महाराज श्री ने कहा कि भागवत कथा केवल श्रवण करने के लिए नहीं, बल्कि इसके सिद्धांतों को जीवन में उतारने के लिए है। कथा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने आत्मदेव के पुत्रों गोकरण और धुंधकारी के सुप्रसिद्ध प्रसंग को विस्तार से सुनाया। उन्होंने बताया कि कैसे कुसंगति के कारण धुंधकारी महापाप का भागी बना और बाद में गोकरण जी के प्रयासों और श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से उसे प्रेत योनि से मुक्ति मिली।

इस मर्मस्पर्शी प्रसंग को सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। मंगलवार की सुबह कथा स्थल पर विधि-विधान और वेदोक्त मंत्रोच्चार के साथ भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। भगवान शिव के इस विशेष अभिषेक में क्षेत्र की बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयकारों से पूरा राजीव कॉलोनी क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की महिला मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सात दिवसीय ज्ञान यज्ञ के दौरान प्रतिदिन सुबह के समय भगवान भोलेनाथ का पावन रुद्राभिषेक आयोजित किया जाएगा। इसके उपरांत दोपहर से प्रभु की कथा की अविरल धारा बहेगी। आयोजन समिति, महिला मंडल और क्षेत्रवासियों ने मंडला जिले के समस्त धर्मप्रेमियों, श्रद्धालुओं और माताओं-बहनों से करबद्ध अपील की है कि वे प्रतिदिन समय पर सपरिवार कथा पंडाल में उपस्थित होकर इस अलौकिक कथा श्रवण और दिव्य अभिषेक का पुण्य लाभ अर्जित करें।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत विद्यार्थियों ने सीखे कोडिंग के गुर

नैनपुर में जेड टू जेड आईटी कंप्यूटर सेंटर में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को मिला आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण

नैनपुर। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से संबद्ध जेड टू जेड आईटी कंप्यूटर सेंटर नैनपुर में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण संपन्न हुआ। स्कूल शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा अभियान, एनएसक्यूएफ परियोजना और जीके एजुकेशनल ट्रस्ट के सहयोग से 1 से 30 मई तक आईटी ट्रेड के विद्यार्थियों के लिए ऑन जॉब ट्रेनिंग आयोजित की गई।

इस प्रशिक्षण में नैनपुर, जामगांव, सालीवाड़ा और खैररांझी (सिवनी) शासकीय विद्यालयों के 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। संस्थान के संचालक नितिन ठाकुर और अविनाश ठाकुर द्वारा छात्र-छात्राओं को डिजिटल चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु एचटीएमएल और पाइथन जैसी आधुनिक प्रोग्रामिंग भाषाओं तथा वेब डिजाइनिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन पर मुख्य अतिथि प्राचार्य दिलीप कुमार शरणागत, कृष्णकुमार चौहान और नितिन ठाकुर की उपस्थिति में प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम के सफल संचालन में राज्य समन्वयक अनुराग नागर सहित व्यावसायिक प्रशिक्षक राजश्री ठाकुर, उमाशंकर रजक और सुमित गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

राशि पमनानी पीएचडी की उपाधि से विभूषित

मंडला। नगर के सुभाष वार्ड की निवासी श्रीमती राशि पमनानी ने स्वास्थ्य, ओम मंत्र, डाइट प्लान एवं विभिन्न थेरेपीस के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुंबई में आयोजित जोरोएस्ट्रियन कॉलेज के दीक्षांत समारोह में राशि पमनानी को आधिकारिक रूप से पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ. चन्द्राकृष्ण मूर्ति, प्रेसीडेंट मास्टर मेहर मूस सहित कॉलेज प्रबंधन के कई वरिष्ठ शिक्षाविद और गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने राशि को इस शोध के लिए बधाई दी। डॉ. राशि पमनानी की गौरवमय उपलब्धि पर पमनानी परिवार, इष्ट मित्रों, परिजनों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आज से महिष्मती घाट पर गूंजेगी प्रभु राम की महिमा

सात दिवसीय कार्यक्रम के तहत नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट द्वारा मां नर्मदा के तट पर अखंड रामधुन का दिव्य संकल्प

मंडला। सनातन धर्म में अत्यधिक पावन माने जाने वाले पुरुषोत्तम अधिमास (मलमास) के अवसर पर मंडला के महिष्मती घाट पर एक धार्मिक अनुष्ठान होने जा रहा है। मलमासे कृता पूजा, कोटि-गुणा फलप्रदा अर्थात मलमास में की गई पूजा करोड़ों गुना फल प्रदान करती है, इसी पावन भावना के साथ नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट, महिष्मती घाट, मंडला द्वारा सात दिवसीय अखंड रामधुन का आयोजन किया जा रहा है। बताया गया कि इस वृहद धार्मिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुरुषोत्तम मास के पावन दिनों में पतित पावनी मां नर्मदा को निरंतर रामधुन सुनाना है।

10 जून को होगा समापन

समाजसेवी सुधीर कासंकार ने बताया कि इस सात दिवसीय अखंड रामधुन का विधि-विधान से शुभारंभ आगामी 3 जून बुधवार को दोपहर 12 बजे से होगा। इसके बाद महिष्मती घाट का संपूर्ण परिसर अनवरत रूप से प्रभु श्री राम के जयकारों और मधुर संकीर्तन से गुंजायमान रहेगा। इस अखंड भजन संकीर्तन का समापन अगले सप्ताह 10 जून को पूर्णाहूति और महाप्रसाद के साथ संपन्न होगा।

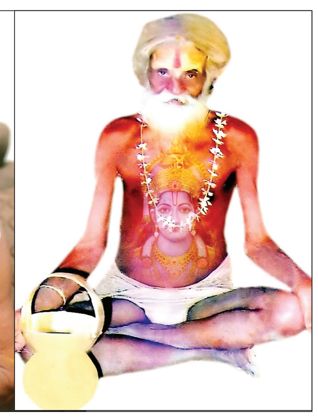

संतों का मार्गदर्शन और संकल्प

इस भव्य आयोजन के मुख्य प्रेरणा स्रोत श्री श्री 1008 ब्रह्मलीन श्री त्यागी जी महाराज पट्टी वाले हैं। उन्हीं के आशीर्वाद और धार्मिक सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए, श्री त्यागी जी आश्रम अंजनिया के पूज्य संत श्री रामेश्वर दास महाराज ने इस सात दिवसीय अखंड रामधुन का पावन संकल्प लिया है। रामेश्वर दास महाराज जी के सान्निध्य में अंजनिया की सुप्रसिद्ध राम मंडली द्वारा लगातार सात दिनों तक सुर-ताल के साथ अखंड रामधुन की प्रस्तुति दी जाएगी।

आयोजन की तैयारियां पूर्ण

आयोजक समिति नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट और संकल्पकर्ता श्री रामेश्वर दास महाराज ने मंडला जिले सहित आसपास के सभी क्षेत्रों के श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अलौकिक और आध्यात्मिक उत्सव में सपरिवार सम्मिलित हों। मां नर्मदा के पावन तट पर आयोजित होने वाली इस रामधुन में उपस्थित होकर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करें और अपने जीवन को धन्य बनाएं। स्थानीय स्तर पर आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

प्रदर्शन

मंडला-डिंडौरी मार्ग पूरी तरह बाधित, प्रशासन के खोखले आश्वासनों से भड़के ग्रामीण, हाईवे पर लगी वाहनों की लंबी कतार

पानी को तरसे ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया चक्काजाम

मंडला. भीषण गर्मी के इस मौसम में मंडला जिले के ग्रामीण अंचलों में पानी का संकट गहराता जा रहा है। पेयजल की भारी किल्लत से परेशान और आक्रोशित ग्राम पंचायत खुड़िया के रसैयादोना ग्राम के ग्रामीणों ने आज मंडला-डिंडौरी मुख्य मार्ग पर खाली बर्तन रखकर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों के इस उग्र प्रदर्शन के कारण हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को समझाने और जल्द ही पानी की व्यवस्था सुचारु करने का आश्वासन दिया। हालांकि, लंबे समय से सिर्फ आश्वासन मिलने से नाराज ग्रामीणों ने इस बार पीछे हटने से साफ मना कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार उन्हें केवल झूठा दिलासा दिया जाता है, लेकिन धरातल पर पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। वे मौके पर ही ठोस और स्थाई समाधान की मांग पर अड़े रहे।

बूंद-बूंद पानी के लिए मीलों भटकने को मजबूर

प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं, जिनका कहना है कि भीषण गर्मी के इस दौर में उनके गांवों के हैंडपंप और कुएं पूरी तरह सूख चुके हैं। जल जीवन मिशन के तहत किए गए दावे भी हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों को पीने और निस्तार के पानी के लिए कई किलोमीटर दूर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी है कि जब तक गांव में टैंकरों के माध्यम से नियमित पानी की सप्लाई शुरू नहीं की जाती और बंद पड़े जलस्त्रोतों को ठीक नहीं किया जाता, तब तक उनका यह आंदोलन और चक्काजाम प्रदर्शन जारी रहेगा। समाचार लिखे जाने तक मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच गतिरोध और बातचीत का दौर जारी था।

भीड़ के बीच जबरन घुसाया चौपहिया वाहन

कलश यात्रा के दौरान दबंगई, युवक ने दिखाया अड़ियल रवैया, धार्मिक गरिमा के आगे झुके श्रद्धालु

मंडला। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत देवदरा के झंडा चौक, राजीव कॉलोनी से श्रीमद् भागवत पुराण की शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा के दौरान एक चौपहिया वाहन चालक द्वारा लापरवाही और अड़ियल रवैया दिखाया गया। झंडा चौक से गऊ घाट गई कलश यात्रा जब वापस लौट रही थी और सड़क पार कर अपने निर्धारित मार्ग से अनुशासित ढंग से आगे बढ़ रही थी, इसी दौरान उसी दिशा से आ रही एक चौपहिया गाड़ी के चालक ने नियमों को ताक पर रखकर जबरन जा रही कलश यात्रा के साइड से वाहन निकालने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाड़ी एक युवती चला रही थी और उसमें कुछ अन्य लोग भी सवार थे।

समझाने पर भी नहीं माना युवक-प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए कलश यात्रा में शामिल एक युवक ने चौपहिया वाहन के पीछे बैठे युवक से कहां कि वे गाड़ी को कलश यात्रा के दूसरी तरफ खाली मार्ग से ले जाएं जिससे कोई दुर्घटना न हो। इस पर सहयोग करने के बजाय वाहन सवार युवक ने अड़ियल रवैया अपनाया और कहा कि गाड़ी यहीं से निकालेंगे। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं की भीड़ की परवाह किए बिना जबरन अपनी चौपहिया गाड़ी को कलश यात्रा के बीच से निकाला और आगे बढ़ गए।

श्रद्धालुओं ने नहीं बढ़ने दिया विवाद-सड़क पर हुई इस अभद्रता और जबरदस्ती के बावजूद कलश यात्रा में शामिल माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं ने अनुकरणीय सूझबूझ का परिचय दिया। चूंकि यह एक अत्यंत पवित्र धार्मिक कार्यक्रम था, इसलिए श्रद्धालुओं ने माहौल की गरिमा को ध्यान में रखते हुए वाहन सवारों से किसी भी प्रकार का वाद-विवाद या टकराव नहीं किया। श्रद्धालुओं के संयम के कारण एक बड़ा विवाद होने से टल गया, हालांकि स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकार की लापरवाही और धार्मिक आयोजनों में बाधा डालने की प्रवृत्ति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है।